वैदिक काल के भारतीय दर्शन का वर्णन कीजिए

भारतीय आर्यों के इतिहास के सबसे प्राचीन युग को वैदिकयुग कहते हैं इस युग में कई तरह के साहित्य लिखे गये सभी साहित्यों को वैदिक साहित्य कहते हैं

वेद — सम्पूर्ण वैदिक साहित्य का मूलाधार ~~वेद~~ वेद हैं वेद चार है जिसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है

(1) ऋग्वेद - ऋग्वेद विश्वसाहित्य का सर्वाधिक प्राचीन ग्रंथ है इसमें वरुण, इन्द्र मरुत अग्नि आदि देवताओं स्तुति मन्त्र है इसमें इस काल की संस्कृति और ऐतिहासिक घटनाओं का कुछ संकेत मिल जाता है।

(2) यजुर्वेद → यजुर्वेद के दो भाग हैं - प्रथम शुक्ल यजुर्वेद और द्वितीय कृष्ण यजुर्वेद। इनमें कर्मकांड तथा यज्ञों के मंत्र दिये गये हैं इनकी रचना इस समय हुई थी जब आर्य सप्तसिन्धु से दक्षिणपूरब बढ़कर कुरुक्षेत्र में फैल गये थे।

(3) सामवेद — इस वेद में 1549 मंत्रों में से केवल 75 मंत्रो की रचना की गई है शेष मंत्र ऋग्वेद से लिये गये हैं इसमें प्राचीन आर्यों के गान वि

अर्थशास्त्र – यह अथर्ववेद का उपवेद है इसमें राजनीति राज्यों से सन्धि, युद्ध, अपराध के दण्ड व्यवस्था का वर्णन है।

ब्राह्मण ग्रन्थ — प्रत्येक वेद के साथ ब्राह्मण ग्रन्थों का सम्बन्ध है इसमें नियमित कर्मों के द्वारा भक्ति उत्पन्न करने तथा नियमित कर्मों के प्रति उचित श्रद्धा उत्पन्न हो।

आरण्यक या उपनिषद – वैदिक काल में भारतीय बहुत चिन्तन किया करते थे यानि सृष्टि की उत्पत्ति

कैसे हुई, आत्मा क्या है सृष्टि के सारे कार्यकाल किसके इशारे पर चलता है इसी कारण इन साहित्यों को आरण्यक कहते हैं

इस प्रकार अनेकों अनेक आरण्यक रचे गये लेकिन सब के सब ब्राह्मण ग्रन्थों के ही भाग है इस प्रकार प्राप्त गहन ज्ञान को ऋषि मुनियों ने अपने शिष्यों को निकट बिठाकर सुनाया करते थे इन्हीं कारण इसे उपनिषद भी कहते हैं। इस प्रकार आरण्यक और उपनिषद एक ही ज्ञान के दो भाग हैं

28 29 30 31

3 Sunday

का सुन्दर विवरण है इसमें उसकाल के संगीत का सुन्दर विवरण है इसका ज्ञान होता है।
स्वर, ताल, लय आदि का ज्ञान होता है।

अथर्ववेद — इसकी रचना बहुत बाद हुई है इसमें
40 अध्याय 6 हजार मंत्र कुल मंत्रों का पाँचवा भाग
ऋग्वेद से लिया गया है इसमें आर्यों के गृहस्थ जीवन
का उल्लेख है इसमें भूत पिशाचों से रक्षा के
लिए तंत्र मंत्र दिये गये हैं इसमें ब्रह्मविद्या, दर्शनशास्त्र
और औषधि विज्ञान का भी उल्लेख है।

उपवेद — इन चारों वेदों का एक एक उपवेद भी है

4 Monday

और - आयुर्वेद - यह ऋग्वेद का उपवेद है
इसमें रसायन, खनिजविज्ञान वनस्पतिविज्ञान, शल्यचिकित्सा
का वर्णन है।

धनुर्वेद — यह यजुर्वेद का उपवेद है इसमें शस्त्र बनाने
बनाने का वर्णन है। प्राचीन आचार्यों और
परशुराम, विश्वामित्र, द्रोणाचार्य कृपाचार्य आदि
कात्यप आचार्य है।

गान्धर्ववेद — यह सामवेद का उपवेद है। और
गायन, नृत्य का वर्णन है